

ÇKDr. — Vgl. शीर्षापत्र.

शीर्षाबुध्नक (wie oben) n. eine Art Cyperus (परिपेल) RĀĀN. im ÇKDr. शीर्षाबुध्नक WILS.

शीर्षाबुध्न (शीर्षा + बुध्न) n. eine Art Edelstein (वैक्रान्त) RĀĀN. im ÇKDr. — Vgl. कुवबुध्न, नुदकुलिश.

शीर्षामयस्वर m. s. u. शीर्षास्वर.

शीर्षा (von 1. शूर) 1) adj. vom Alter hinfällig ÇAT. Br. 4, 1, 5, 1. 2. 5. ÇĀNKH. Ba. in Ind. St. 2, 293. — 2) f. a) Gebrechlichkeit, Altersschwäche AK. 3, 3, 9. H. 1523. — b) Verdauung WILS.

शीर्षोद्धार (शीर्षा + उद्धार) m. Auffrischung, Ausbesserung Devl-P. im ÇKDr. शीर्षोद्धार aufgefrischt, ausgebessert WILS.

शीर्वि Uṇ. 4, 55. m. 1) अट् Uṇ., Sch. — 2) Karren. — 3) Körper. — 4) Thier (UĒĀVAL. zu UṆĀDIS. 4, 54) UṆĀDIVR. im SAṆKSHIPTAS. ÇKDr. — Die erste und letzte Bed. sind auf eine zurückzuführen, da पशु und पशुं leicht mit einander verwechselt werden konnten.

जीव्, जीवति (in gebundener Rede auch med.); अजीवित्; जिजीवि, जिजीविम; जीविष्यति; जीव्यासम्; 1) leben DhĀTUP. 13, 54. जीवेदिन्मिधवा मम RV. 10, 33, 8. 6, 59, 1. अजो जीवति: 1, 136, 6. शतं जीवन्तु शरदः 10, 18, 4. 7, 66, 16. जीवो जीवत्या अर्थि 5, 78, 9. यस्त्वा पिबति जीवति AV. 5, 5, 2. 4, 10, 2. 2, 28, 4. 10, 5, 25. यदि कृतो वा वृत्रो जीवति वा ÇAT. Br. 4, 1, 2, 3. 8, 7, 2, 11. शतं वर्षाणि जीव्यासम् 2, 3, 4, 21. 9, 5, 1, 63. TB. 2, 3, 5, 1. यावन्नपस्ते जीवेषु: M. 2, 235. उच्छ्वसन्न स जीवति 3, 72. मृतः स न तु जीवति 7, 143. स जीवश्च मृतश्चैव न द्युचित्मुखमेधते 3, 45. स जीवन्नेव प्रू-द्रत्वमाशु गच्छति noch bei Lebzeiten 2, 168. जानीहि धातरम् — यदि जी-वति MBh. 3, 269. कथं जीवियुरत्यत्तं कथं वर्धयुरित्यापि 344. ते जीवन्ति सु-खं लोके 1, 5915. मुहूर्तं न स जीवति R. 3, 35, 27. जीवलेकमुतस्तत्र VID. 205. जीविष्यसि समारुद्रम् MBh. 13, 1344. R. 2, 48, 23. जीवत्यनाथो ऽपि वने विसर्जितः PAṆĀT. 1, 24. कालदृष्टा न जीवति कन्येयम् wird nicht am Leben bleiben VET. 16, 13. संशयं पुनरारुह्य यदि जीवति पश्यति (भ-द्राणि) wenn er am Leben bleibt HIT. 1, 6. चिरं जीव ÇĀK. 109, 18. जीव einem Niesenden zugerufen KĀURAP. 11. तरवः किं न जीवन्ति BhĀG. P. 2, 3, 18. जीवेद्वैश्यस्य जीविकाम् M. 10, 82. 4, 11. MBh. 3, 1135. R. 5, 26, 25. जीवत्वमुखजीविकाम् N. 11, 17. सक्तु जीवतः zusammenlebend M. 9, 240. med.: स सुखी जीवते सदा MBh. 3, 13852. 1, 5913. 13, 5016. HARIV. 14440. BhĀG. P. 1, 2, 10. न ह्येकस्मिन्कृते रामे सर्वे जीवामहे वयम् R. 1, 75, 9. पौरराज्ये जीवस्व 2, 58, 20. जीविष्ये SĀV. 3, 99. जीवमान MBh. 2, 626. 3, 345. 6, 5449. 7, 475. 8, 243. BHARTṚ. Suppl. 2. जीवितुम् ÇAT. Br. 14, 9, 2, 8. DRAUP. 9, 10. MBh. 3, 16232. जीवसे VS. 16, 49. RV. 1, 23, 21. 36, 14 u. s. w. MBh. 1, 732. जीवित्वे AV. 6, 109, 1. pass. impers.: य-जीव्यते त्पामापि — मनुष्यैः PAṆĀT. 1, 29. यस्याः सङ्गं जीव्येत IV, 34. HIT. 1, 195. — 2) auflieben: ततस्ते जीवति ब्राह्मणी PAṆĀT. 221, 8. जी-वताश्चजमानः BhĀG. P. 4, 6, 51. Mit पुनरु dass.: न ज्ञानु पुनर्जीविन्महाह्व-त्तरमागतः Hip. 4, 44. — 3) seinen Lebensunterhalt haben, leben von (instr.): अजीविन् keinen Lebensunterhalt habend M. 10, 112. 11, 18. वेत-नादिभ्यो जीवति P. 4, 4, 12. गृध्रोच्छिष्टेन M. 11, 26. सन्नैः सन्नानि जीव-न्ति बहुधा MBh. 3, 13830. विपणोः M. 3, 152. नलत्रैः 162. स्तान्मृताभ्याम् 4, 4. परधर्मेण 10, 97. वैश्यवर्त्या 83. 4, 9. 13. 84. 7, 33. 137. 9, 75. 10, 81. 82. 99. HIT. 18, 9. मत्स्यजीवत् Fischer PAṆĀT. 77, 10. 15. सत्यानृतं तु

बाणिस्यं तेन चैवापि जीव्यते M. 4, 6. Auch mit dem loc. der Person: प-डिमे षु जीवन्ति सप्तमो नोपलभ्यते । चौराः प्रमते जीवन्ति व्याधितेषु चि-कित्सकाः ॥ प्रमदाः कामयानेषु याजमानेषु याजकाः । राजा विवदमानेषु नि-त्यं मूर्खेषु पण्डिताः ॥ MBh. 3, 1059. fg. — caus. 1) जीवयति (ep. auch °ते): aor. अजीवित् und अजिजीवित् P. 7, 4, 3. VOP. 18, 3. lebendig ma-chen, beleben; Jmd am Leben lassen, Jmdes Leben erhalten so v. a. ihn nicht sterben lassen als auch ihn nicht tödten: उतागश्चक्रुष देवा देवो जीवयेथा पुनः RV. 10, 137, 1. ÂÇV. Ç. 6, 9. तान्युनर्जीवियामास MBh. 1, 3490. दृष्टं यदि मया विप्रः पार्थिवं जीवयिष्यति 1995. वृत्तं मया दृष्टमिमं जीवय 1766. 1768 (med.). 1994. 17, 87. एतां तोषायुषम् — स्वायुषो ऽर्धे-न जीवय KATHĀS. 14, 80. जीवय मृतमिव दासम् Git. 12, 6. अजीवित् BHARTṚ. 13, 110. अथि मां जीवयिष्यधम् MBh. 3, 16230. तां सखीं मां च जी-वय KATHĀS. 4, 16. तन्मे प्राणव्ययेनापि जीवयेतान् HIT. 1, 40. जीवयेयमहे कामं न तु त्वं जीवितुं क्षमः MBh. 9, 1812. इहि शास्त्वम् — मेनं जीवय 3, 870. कथं शत्रुः कुलानं मां सुप्रोवा जीवयिष्यति R. 4, 53, 8. अजिजीव्यथा न तम् so v. a. er tödtete ihn BHARTṚ. 13, 122. Jmd leben lassen so v. a. ernähren, aufziehen: कथं हि विधवानाथा — मिथुनं जीवयिष्यामि MBh. 1, 6152. कृस्तिशिशुं परिश्रूयन्ममातृकम् — जीवयामास सानुक्रोशः 13, 4847. एषो ऽस्मान् जीवयेत् KATHĀS. 3, 17, 18. जन्तून् जीवयितुं ततः । स्व-यमन्नपतिः — नितिमवातरत् RĀĀ-TAR. 5, 72. — 2) जीवापयति Jmd wie-der lebendig machen VET. 18, 8. 14. जीवापित 6. 16. 19, 1. 34, 1. — des-sid. 1) जिजीविषति leben wollen, zu leben wünschen: जिजीविषेत् KĀT. Ç. 22, 6, 20. LĀT. 8, 8, 4. कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः । ÇOP. 2. PRAB. 108, 7. इमामवस्थां संप्राप्ता मदन्या का जिजीविषेत् MBh. 4, 615. यानेव कृत्वा न जिजीविषामः BHAG. 2, 6. seinen Lebensunterhalt zu finden suchen, leben wollen von (instr.): धनिनं वाप्युपाराध्य वैश्यं प्रूद्रो जिजी-विषेत् M. 10, 121. कश्चिन्न भेदेन जिजीविषति मुहूर्तमा डर्हदः MBh. 5, 702. — 2) जीव्युषति sein Leben zu fristen suchen mit (instr.) ÇAT. Br. 3, 2, 4, 16. 5, 3, 11. — 3) जिजीविषत der sein Leben zu fristen sucht mit (instr.): ब्रह्मबन्धवेन, वैश्यतया, प्रूद्रतया AIT. Br. 7, 29. — जीवित s. bes. — अति 1) überleben: संवत्सरम् ÇAT. Br. 4, 2, 4, 6. तां वै स आयुषार्ति-मत्यजीवित् PAṆĀT. Br. 6, 5. — 2) besser leben als, mit dem acc. der Per-son: अत्यजीवदमरालकेश्वरौ RAGH. ed. Calc. 19, 15 (v. l. अन्वजीवित्). — अनु 1) Jmd nachleben, so leben wie ein Anderer; mit dem acc.: इमं पश्चादनु जीवायु सर्वे TS. 5, 7, 4, 4. अन्वजीवदमरालकेश्वरौ RAGH. 19, 15. — 2) für Jmd leben, sich ihm ganz hingeben, ihm zugethan sein: त्रयोद-शमा हि समाः सदा वयं त्वामन्वजीविष्य धनं जयाशया MBh. 8, 3388. जीव-त्तानुजीवामि भर्तव्यौ तौ ममेति च SĀV. 3, 94. ये च त्वामनुजीवन्ति नाहं तेषां न ते मम R. 2, 42, 7. — 3) leben von, bestehen durch, erhalten wer-den von; mit dem acc.: जीवतं त्वानुजीवतु प्रजाः सर्वा युधिष्ठिर ॥ पर्जन्यमिव भूतानि महोदममिवाण्डजाः । कुवेरमिव रत्नानि शतक्रतुमिवाम-राः ॥ ज्ञातयस्त्वानुजीवतु मुहूर्दश्च (vgl. अनु त्वां तात जीवतु ब्राह्मणाः सु-हृदस्तथा । पर्जन्यमिव भूतानि देवा इव शतक्रतुम् ॥ 3, 4535) MBh. 13, 3100. fgg. 14, 16. R. 5, 2, 35. — 4) sich in Etwas (acc.) fügen, Jmd Et-was gönnen: यां तां श्रियमममूयाम पुरा दृष्ट्वा युधिष्ठिरे । अथ तामनुजीवामः MBh. 7, 428. — caus. Jmd wieder zum Leben bringen DAÇAK. in BENF. Chr. 187, 9. — Vgl. अन्वजीविन्, अन्वजीव्य.

— आ leben von, bestehen durch, Nutzen ziehen aus: यमाजीवति पु-